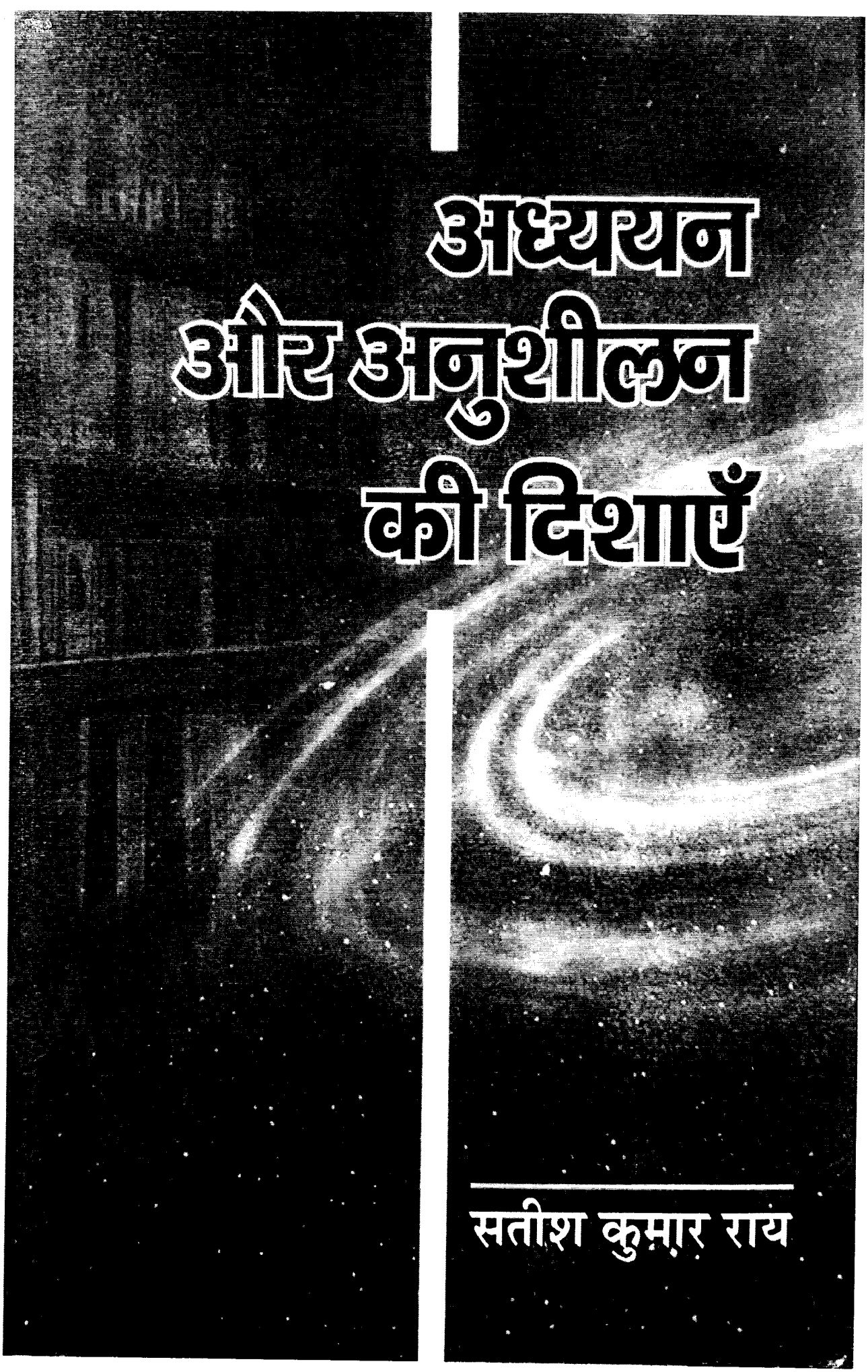
अध्ययन
और अनुशीलन
की दिशाएँ
सतीश कुमार राय

अध्ययन और अनुशीलन की दिशाएँ

सतीश कुमार राय

डॉ० उज्ज्वल आलोक / Dr. Ujjwal Alok
सहायक प्राध्यापक,
विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग
बी० आर० ए० बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर

समीक्षा प्रकाशन
दिल्ली/मुजफ्फरपुर

ISBN : 978-93-90685-72-1

प्रथम संस्करण

2022

सर्वाधिकार ©

सतीश कुमार राय

प्रकाशक

समीक्षा प्रकाशन

जे.के.मार्केट, छोटी कल्याणी

मुजफ्फरपुर (बिहार)-842001

फोन : 09334279957, 09905292801

E-mail : samikshaprakashan@yahoo.com

www : samikshaprakashan.blogspot.com

दिल्ली कार्यालय

आर-27, रीता ब्लॉक

विकास मार्ग, शक्करपुर, दिल्ली-92

मो.-08527482726

पृष्ठ-सज्जा

सतीश कुमार

मुद्रक

बी0के0 ऑफसेट,

शाहदरा, दिल्ली।

मूल्य

750.00 (सात सौ पचास रुपये)

Adhyayan aur Anusheelan ki Dishaayen

by **Satish Kumar Rai** **Rs. 750.00**

अनुक्रम

निवेदन 11

(क) आलेख/शोध-पत्र :

1. बिहारी का वाग्वैभव 17
2. गोपाल सिंह 'नेपाली' की प्रेम-भावना 38
3. गोपाल सिंह 'नेपाली' की राष्ट्रीय चेतना 46
4. गोपाल सिंह 'नेपाली' : फिल्मी दुनिया का सफर 62
5. हिंदी आलोचना और खगेंद्र ठाकुर 75
6. नंदकिशोर नवल की साहित्य-साधना 82
7. हिंदी शोध : दशा और दिशा 90
8. राजभाषा के रूप में हिंदी : विकास का पहला चरण 97
9. बिहार की हिंदी पत्रकारिता : एक विहंगावलोकन 104
10. 'कल्पना' पत्रिका का साहित्यिक अवदान 111

(ख) संपादकीय/टिप्पणियाँ :

संपादित पुस्तकों से

1. उगते सूरज की भूख (कविता-संग्रह) 123
2. सन्नाटों के बीच (कविता-संग्रह) 126
3. छूटी हुई पगडंडियाँ (कविता-संग्रह) 136
4. पथिक की काव्य-साधना : चाँदनी में अग्निशिखा (कविता-संग्रह—मैं हूँ पथिक अकेला) 141
5. रेवतीरमण होने का अर्थ (अभिनंदन-ग्रंथ) 151

पत्रिकाओं से

6. शोध-निकष, अंक-2 (जुलाई-दिसंबर, 2011 ई.)
   (i) शोध-पत्रकारिता और यह 'शोध-निकष' 168
   (ii) डॉ. नगेंद्र : शोध और आलोचना के इतिहास-पुरुष 176

शोध निकष, अंक 3 (जनवरी–जून, 2012 ई.)

(i) परिषद् पत्रिका का स्वर्ण जयंती अंक 179

(ii) मगध विश्वविद्यालय की शोध पत्रिकाएँ 181

(iii) हिंदी विद्यापीठ पत्रिका का 'नेपाली विशेषांक' 182

(iv) 'शोध निकष' का यह अंक 182

(v) फादर कामिल बुल्के : शील, आस्था और पांडित्य के जीवंत प्रतिमान 183

(vi) डॉ. रामविलास शर्मा : हिंदी आलोचना के शिखर–पुरुष 185

8. शोध निकष, अंक 4 (जुलाई–दिसंबर, 2012 ई.)

(i) बिहार का साहित्यिक अवदान : सर्वेक्षण–मूल्यांकन की चुनौतियाँ 188

(ii) 'शोध-निकष' का यह अंक 196

9. शोध-निकष, अंक-9-12 (जनवरी, 2015-दिसंबर, 2016 ई.)

(i) आकाशधर्मा गुरु प्रोफेसर बलराम मिश्र का महाप्रस्थान 204

(ii) 'शोध-निकष' का यह अंक 209

10. शोध-मनीषा, अंक-1, 2015 ई.

(i) हिंदी शोध और बिहार 214

11. शोध-मनीषा, अंक-2, 2021 ई.

(i) संपादकीय 220

12. नया प्रस्थान, प्रवेशांक, 2020 ई.

(i) संपादकीय 225

(ii) ग़ज़ल, समकालीन हिंदी ग़ज़ल और डॉ. भावना 238

13. नया प्रस्थान, अंक-2, 2021 ई.

(i) संपादकीय 245

(ii) हिंदी ग़ज़लों की विरासत को अग्रेषित करने वाला ग़ज़लगो 250

(ग) स्तंभ :

1. सृजन–परिदृश्य—2009 255

2. सृजन–परिदृश्य—2010 268

3. सृजन–परिदृश्य—जनवरी–जून, 2012 277

4. सृजन–परिदृश्य—जुलाई–दिसंबर, 2012 289

(घ) भूमिकाएँ :

1. भूमिका
   (बिहार की हिंदी साहित्यिक पत्रकारिता—कल्याण कुमार झा) 303
2. गीत-गंगा का सार्थक अवतरण
   (यहाँ तक हम आ गये हैं—हृदयेश्वर) 310
3. पाठ से आत्मीय संवाद की सहज उपलब्धि
   (पाठ का पाठेय—पूनम सिंह) 315
4. आलोचना में रचना-दृष्टि का विनियोग
   (सृजन और विभावन का द्वैताद्वैत—रेवतीरमण) 319
5. दो शब्द
   (लोकरंग का सौंदर्यशास्त्र—सं. अणिमा अनुरागिनी) 321

(ङ) पुस्तक-समीक्षाएँ :

1. गुप्त जी के दो उपन्यास
   ('हँसती आँखें' एवं 'लहरों के बीच'—विंध्याचल प्रसाद गुप्त) 325
2. समकालीन कवि-कर्म का सार्थक विवेचन
   (समकालीन कविता का परिप्रेक्ष्य—रेवतीरमण) 329
3. प्रेमचंद की संवेदना के धरातल
   (प्रेमचंद की संवेदना के धरातल—महेशचंद्र चौरसिया) 333
4. रचनाकार की समग्रता और समग्र रचनाएँ
   (शिवपूजन सहाय : साहित्य समग्र, दिनकर रचनावली और मोहन राकेश रचनावली) 336
5. इतिहास भी और साहित्य भी
   (मगधनामा—कुमार निर्मलेंदु) 361
6. दुर्लभ साहित्य-सामग्री का अन्वेषण-संचयन
   (हिंदी साहित्य का दुर्लभ परिप्रेक्ष्य, तीन खंड—सं. भारत भारद्वाज) 368
7. प्रेमचंद पर पहली आलोचना-पुस्तक
   (प्रेमचंद की उपन्यास-कला—जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज') 378
8. दिनकर : एक पुनर्विचार—शोध भी और आलोचना भी
   (दिनकर : एक पुनर्विचार—कुमार निर्मलेंदु) 387